इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

परास्नातक

इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

(परास्नातक कक्षाओं के सेमेस्टर क्रेडिट पद्धति हेतु प्रश्नपत्र प्रारूप)

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन इकाइयों में विभक्त है।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक एवं 04 क्रेडिट का होगा और सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 80 क्रेडिट का होगा।
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र में तीन प्रकार के प्रश्न – अतिलघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय एवं निबन्धात्मक होंगे। प्रथम प्रश्न अतिलघुउत्तरीय होगा। दूसरे से 5वें तक के प्रश्न लघुउत्तरीय और छठवें से दसवें तक के प्रश्न निबंधात्मक होंगे। इस प्रकार कुल 10 प्रश्न पूँछें जाएंगे, जिनमें से कुल 07 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
4. अतिलघु प्रश्न में कुल 5 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। इस प्रकार प्रथम प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
5. लघुउत्तरीय प्रश्न– प्रत्येक प्रश्न पत्र में कुल 04 लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे जिसमें किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा और उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
6. निबन्धात्मक प्रश्न– प्रत्येक इकाई से कम से कम 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न पूँछे जायेगें, जिनमें से केवल 03 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा और उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से होंगे।
7. प्रथम सेमेस्टर में पंचम प्रश्न पत्र के रूप में ऐतिहासिक स्थलों का भम्रण एवं रिपोर्ट लेखन, द्वितीय सेमेस्टर में पंचम प्रश्न पत्र के रूप में मौखिकी, तृतीय सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र में वैकल्पित प्रश्न पत्र के रूप में लघुशोध (डिजर्टेशन) अथवा भारतीय संस्कृति एक प्रश्नपत्र एवं चर्तुथ सेमेस्टर में पंचम प्रश्न पत्र के रूप में मौखिकी सम्मिलित है।
8. चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र में वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में विश्व का इतिहास (द्वितीय) अथवा प्राचीन प्रतिमा निर्माण कला को रखा गया है।
9. प्रत्येक प्रश्नपत्र में कुल 45 व्याख्यान होंगे।

प्रश्न–पत्र का प्रारुप

प्रश्नों के प्रकार	टंक	प्रश्न संख्या	विस्तृत स्वरुप
अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	10 (5X2)	01 (i).....(v)	05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय दें।
लघुउत्तरीय प्रश्न	30 (10X3)	2.....5 (04)	किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो।
निबन्धात्मक प्रश्न	60 (20X3)	6.....10 (05)	किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में हो।
	पूर्णांक–100	**कुल प्रश्नों की संख्या 10**	**कुल सात प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।**

इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग
पाठ्यक्रम– स्नातकोत्तर

प्रथम सेमेस्टर : **क्रेडिट**

प्रथम प्रश्नपत्र	प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (छठीं शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0 तक)	**4**
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	इतिहास दर्शन– प्रथम	**4**
तृतीय प्रश्न–पत्र	भारतीय धर्म एवं दर्शन–प्रथम	**4**
चतुर्थ प्रश्न पत्र	भारतीय पुरातत्व–प्रथम	**4**
पंचम प्रश्न पत्र	ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण एवं रिपोर्ट लेखन	**4**

द्वितीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	**प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास** **(चतुर्थ शताब्दी ई0 से 12वीं शताब्दी ई0 तक)**	**4**
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	**इतिहास दर्शन– द्वितीय**	**4**
तृतीय प्रश्न–पत्र	**भारतीय धर्म एवं दर्शन– द्वितीय**	**4**
चतुर्थ प्रश्न पत्र	**भारतीय पुरातत्व– द्वितीय**	**4**
पंचम प्रश्न पत्र	**मौखिकी**	**4**

तृतीय सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	**मध्यकालीन भारत का इतिहास** **(तेरहवीं शताब्दी ई0 से सत्रहवीं शताब्दी ई0 तक)**	**4**
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	**प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास–प्रथम** **(प्रारम्भ से 1200 ई0 तक)**	**4**
तृतीय प्रश्न–पत्र	**भारतीय कला– प्रथम**	**4**
चतुर्थ प्रश्न पत्र	**विश्व का इतिहास– प्रथम**	**4**
पंचम प्रश्न पत्र	**लघुशोध प्रबन्ध (डिजर्टेशन) अथवा भारतीय संस्कृति**	**4**

चतुर्थ सेमेस्टर :

प्रथम प्रश्नपत्र	**आधुनिक भारत का इतिहास** **(16वीं शताब्दी ई0 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक)**	**4**
द्वितीय प्रश्न प्रत्र	**भारत का समाजिक–आर्थिक इतिहास– द्वितीय**	**4**
तृतीय प्रश्न–पत्र	**भारतीय कला– द्वितीय**	**4**
चतुर्थ प्रश्न पत्र	**विश्व का इतिहास– द्वितीय अथवा प्राचीन प्रतिमा निर्माण कला**	**4**
पंचम प्रश्न पत्र	**मौखिकी**	**4**

एम0ए0
प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र :प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(छठीं शताब्दी ई0पू0 से चतुर्थ शताब्दी ई0 तक)
HSM-101 क्रेडिट–04

ईकाई 1 **(क)** छठीं शताब्दी ई0 पू0 में उत्तर भारत की राजनैतिक एवं धार्मिक स्थिति –
1–सोलह महाजनपद, दस गणराज्य, चार शक्तिशाली राजतंत्र।
2–महावीर एवं उनकी शिक्षाएं, गौतमबुद्ध एवं उनकी शिक्षाएं।

(ख) मगध साम्राज्य का उत्कर्ष–हर्यंक वंश – विम्बिसार, अजातशत्रु, उदायिन शिशुनाग वंश–शिशुनाग, कालाशोक, नन्द वंश – महापद्म नन्द

(18 व्याख्यान)

इकाई 2. **(क)** मौर्य राजवंश –उत्पत्ति, साम्राज्य व विस्तार, चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक और उसका धम्म, मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण।

(ख) मौर्योत्तर कालीन राजवंश–
1–शुंग वंश–पुष्यमित्र एवं अग्निमित्र।
2– सातवाहन वंश– शातकर्णि प्रथम, गौतमी पुत्र शातकर्णि
3– चेदि राजवंश– खारवेल

(15 व्याख्यान)

इकाई–3. **(क)** विदेशी आक्रमण– सिकन्दर का आक्रमण एवं प्रभाव, हिन्द–यवन– डेमेट्रियस, मेनाण्डर।

(ख) शक–राजनैतिक इतिहास प्रारम्भ से गुप्त काल तक, रुद्रदामन, कुषाण राजवंश –कुजुल कडफिसस, बिम कडफिसस, कनिष्क प्रथम, हुविष्क, वासुदेव।

(12 व्याख्यान)

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 राय चौधरी, एच0सी0 – पोलिटिकल हिस्ट्री आफ एन्शियन्ट इण्डिया
2 नेगी, जे0एस0 – ग्राउण्ड वर्क ऑव एन्शियन्ट इण्डियन हिस्ट्री
3 उपाध्याय, बी0एस0 – प्राचीन भारत का इतिहास
4 त्रिपाठी, आर0एस0 – प्राचीन भारत का इतिहास
5 केसरवानी, प्रदीप कुमार – प्राचीन भारत का इतिहास
6 झॉ, डी0एन0 एवं श्रीमाली, के0एम0 – प्राचीन भारत का इतिहास
7 थापर, रोमिला – मौर्य साम्राज्य और उसके पतन का कारण
8 मिराशी, वी0वी0 – सातवाहन एवं पश्चिमी क्षत्रपों का इतिहास
9 थपलयाल, के0के0 – अशोक

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न प्रत्र : इतिहास दर्शन– प्रथम

HSM -102 **क्रेडिट–04**

इकाई–1– इतिहास की परिभाषा, उसका स्वरूप एवं क्षेत्र, इतिहास की उपयोगिता एवं महत्व, भारतीय इतिहास लेखन की अवधारणा। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2– भारतीय इतिहासकार– प्राचीन इतिहास लेखक–बाणभट्ट, बिल्हण, जयानक, कल्हण। **(10 व्याख्यान)**

इकाई–3– भारत के आधुनिक इतिहास लेखक– आर0जी0 भण्डारकर, आनन्द कुमार स्वामी, काशीप्रसाद जायसवाल, रमेश चन्द्र मजूमदार, धर्मानन्द कौशाम्बी। **(20 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. कार, ई0एच0 – इतिहास क्या है
2. पाण्डेय जी0सी0 – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत
3. चौबे, झारखण्ड – इतिहास दर्शन
4. सिंह, परमानन्द – इतिहास दर्शन
5. पाण्डेय लालता प्रसाद – इतिहास दर्शन
6. कौशिक, कुँवर बहादुर – इतिहास दर्शन
7. कॉलिंग वुड, जी0 – द आइडिया ऑफ हिस्ट्री

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र : भारतीय धर्म एवं दर्शन–प्रथम

HSM -103 **क्रेडिट–04**

इकाई : 1– धर्म–सैन्धव धर्म, **वैदिक धर्म**–ऋग्वैदिक धर्म, उत्तरवैदिक धर्म, **जैन धर्म**– पंचमहाव्रत, त्रिरत्न, **बौद्ध धर्म**– चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग आदि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2– **दर्शन**– उपनिषद दर्शन, **विद्या**– अविद्या, आत्मा, ब्रह्म, **गीता दर्शन**– कर्म योग, ज्ञान योग एवं भक्तियोग,

वेदान्त दर्शन–

(i) शंकर का अद्वैत– ब्रह्म विचार, जगत् विचार, माया।

(ii) रामानुज का विशिष्टाद्वैत – सृष्टि विचार, ब्रह्म विचार। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3– **सांख्यदर्शन** –सत्कार्यवाद, प्रकृति एवं पुरुष, **जैन दर्शन**– स्याद्वाद, अनेकान्तवाद, बन्धन एवं मोक्ष, **बौद्ध दर्शन**– प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणिकवाद, अनात्मवाद। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें :–

1	वाशम, ए0एल0	अद्भुत भारत
2	मिश्र, जयशंकर	प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास
3	शर्मा, सी0डी0	भारतीय दर्शन
4	लूनिया, बी0एन0	भारतीय संस्कृति
5	दुबे, एच0एन0	भारतीय संस्कृति
6	पाण्डेय, जी0सी0	(i) बौद्ध धर्म के विकास का इतिहास
		(i) वैदिक संस्कृति,

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र–भारतीय पुरातत्व–प्रथम
HSM -104 क्रेडिट–04

इकाई– 1. पुरातत्व की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, पुरातत्व का मानविकी, सामाजिक विज्ञान–इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र एवं विज्ञान विषयों– रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, पुरा वनस्पति विज्ञान, भूगर्भ विज्ञान, पुरा प्राणि विज्ञान से सम्बन्ध। **(20 व्याख्यान)**

इकाई– 2. भारत में पुरातत्व के विकास में एशियाटिक सोसाइटी का योगदान, स्वातंत्रोत्तर भारतीय पुरातत्ववेत्ताओं का योगदान – कनिंघम काल, मार्शल काल, ह्वीलर काल। **(10 व्याख्यान)**

इकाई–3. भारत में पाषाण कालीन संस्कृतियाँ–

1. भारत की पुरापाषाण कालीन संस्कृति– सोहन घाटी, बेलन घाटी एवं प्रवरा घाटी के विशेष संदर्भ में।
2. भारत की मध्यपाषण कालीन संस्कृति– सरायनाहरराय, महदहा, दमदमा एवं वीरभानपुर के विशेष संदर्भ में।
3. भारत की नव पाषाण कालीन संस्कृति– कोलडिहवा, चोपनीमाण्डो एवं बुर्जहोम के विशेष संदर्भ में।
4. प्रागैतिहासिक शैल चित्रकला। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. पाण्डेय, जे0एन0 – पुरातत्व विमर्श
2. पाण्डेय, जे0एन0 – सिन्धु सम्यता
3. थपल्याल, के0के0 – सिन्धु सभ्यता
4. मिश्र, वी0डी0 – सम आस्पेक्ट आफ इण्डियन आर्केयोलाजी
5. पाण्डेय, आर0पी0 – भारतीय पुरातत्व, म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
6. भट्टाचार्य, डी0के0 – प्री हिस्टॉरिक आर्कियोलॉजी
7. क्लार्क, ग्रह्मे एण्ड पिग्गट, एस0 – प्री हिस्टॉरिक सोसाइटीज

एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र
ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण एवं रिपोर्ट लेखन –
HSM -105 क्रेडिट–04

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास
(चतुर्थ शताब्दी ई0 से 12वीं शताब्दी ई0 तक)

HSM -201 **क्रेडिट–04**

ईकाई:1– गुप्त राजवंश – उद्भव एवं प्रारंभिक इतिहास, चन्द्रगुप्त प्रथम। समुद्रगुप्त – व्यक्तित्व, साम्राज्य विस्तार, रामगुप्त की ऐतिहासिकता। **(10 व्याख्यान)**

ईकाई:2– **(क)** चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य, कुमारगुप्त, स्कन्दगुप्त, गुप्त साम्राज्य का पतन हूण–तोरमाण एवं मिहिरकुल

(ख) वाकाटक राजवंश– प्रधान शाखा– रुद्रसेन प्रथम से रुद्रसेन द्वितीय तक का संक्षिप्त इतिहास, प्रभावती गुप्ता का संरक्षणकाल, वाकाटक– गुप्त सम्बन्ध।

(20 व्याख्यान)

ईकाई :3– **(क)** वर्धन राजवंश – हर्षवर्धन का प्रारम्भिक जीवन, विजयें, साम्राज्य विस्तार।

(ख) मौखरि राजवंश– ईशानवर्मा की उपलब्धियॉ, मौखरि– उत्तरगुप्त सम्बन्ध त्रिकोणात्मक संघर्ष, भारत में मुसलमानों का आक्रमण– महमूद गजनवीं, मुहम्मद गोरी।

(15 व्याख्यान)

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. राय, यू0एन0 – गुप्त साम्राट एवं उनका काल
2. गुप्ता, पी0एल0 – गुप्त साम्राज्य
3. झा एवं श्रीमाली – प्राचीन भारत का इतिहास
4. श्रीवास्तव, के0सी0 – प्राचीन भारत का इतिहास
5. मजूमदार, रमेशचन्द्र – प्राचीन भारत
6. मिराशी, वी0बी0 – वाकाटक राजवंश और उसका काल
7. मुखर्जी, आर0के0 – हर्ष
8. पाठक, विशुद्धानन्द – उत्तरी भारत का राजनैतिक इतिहास
9. चटर्जी, गौरीशंकर – हर्षवर्धन

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : इतिहास दर्शन– द्वितीय

HSM -202 **क्रेडिट–04**

इकाई : 1 – ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता, इतिहास एक विज्ञान है, इतिहास एक कला है।**(10 व्याख्यान)**

इकाई : 2 – इतिहास का सिद्धांत – हीगल, मार्क्स, स्पेंगलर, आगस्टाइन, टायनबी। **(20 व्याख्यान)**

इकाई : 3 – भारतीय इतिहास दर्शन – वैदिक साहित्य, महाकाव्य, पुराण। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. पाण्डेय, जी0सी0 – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत
2. चौबे, झारखण्ड – इतिहास दर्शन
3. सिंह, परमानन्द – इतिहास दर्शन
4. कार, ई0 एच0 – इतिहास क्या है
5. दुबे, हरि नारायण – पुराण समीक्षा

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय धर्म एवं दर्शन– द्वितीय
HSM -203 क्रेडिट–04

इकाई : 1 – भारतीय धर्म की प्रकृति, वैशिष्ट्य एवं विकास **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 – **धर्म**–शैव, वैष्णव, शाक्त, **स्कन्द**– कार्तिकेय, सूर्यपूजा, गाणपत्य सम्प्रदाय, **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 – **न्याय दर्शन**–प्रत्यक्ष, अनुमान, हेत्वाभास एवं शब्द।
योग दर्शन– अष्टांग साधन।
वैशेषिक दर्शन– द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव।
चार्वाक दर्शन **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. अभिनव, सत्यदेव – प्राचीन भारतीय धर्म
2. उपाध्याय, एम0के0 – प्राचीन भारतीय राज्य एवं धर्म
3. दत्त एवं चटर्जी – भारतीय दर्शन
4. मिश्र, जयशंकर – भारत का सामाजिक इतिहास

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : भारतीय पुरातत्व– द्वितीय
HSM -204 क्रेडिट–04

इकाई– 1. सिन्धु सम्यता– उद्भव, विस्तार, विशेषताएं, पतन। बृहत् पाषाणिक संस्कृति। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. पात्र परम्परा–कृष्ण लोहित पात्र परम्परा, गैरिक पात्र परम्परा, चित्रित धूसर पात्र परम्परा, उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र परम्परा।
प्राचीन स्मारकों के संरक्षण की विधियाँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3. पुरातात्विक स्थल –झूँसी, कालीबंगा, हड़प्पा, कौशाम्बी, हस्तिनापुर, अतरंजीखेड़ा, अरिकामेडु, लालापुर, ऐंचवारा। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. पाण्डेय, जे0एन0 – पुरातत्व विमर्श
2. पाण्डेय, जे0एन0 – सिन्धु सम्यता
3. थपल्याल, के0के0 – सिन्धु सभ्यता
4. मिश्र, वी0डी0 – सम आस्पेक्ट आफ इण्डियन आर्केयोलाजी,
5. पाण्डेय, आर0पी0 – भारतीय पुरातत्व, म0प्र0 हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
6. तिवारी, डी0पी0 – इक्सकैवेसन्स एट सौफरी एण्ड ऐक्सप्लोरेसन इन गंगा प्लेन
7. तिवारी, डी0पी0 – एक्सकैवेसन्स एट मदनापुर

एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र (मौखिकी)
HCM-205 क्रेडिट–04

•

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : मध्यकालीन भारत का इतिहास
(तेरहवीं शताब्दी ई0 से सत्रहवीं शताब्दी ई0 तक)
HSM -301 क्रेडिट–04

इकाई– 1. **(क)** दिल्ली सल्तनत –इल्बरी वंश– कुतुबुददीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजियाबेगम, बलवन

खिलजीवंश– अलाउद्दीन खिलजी,

तुगलकवंश– मुहम्मदबिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक

(ख) विजय नगर साम्राज्य का संक्षिप्त इतिहास– कृष्णदेव राय एवं उनका प्रशासन। बहमनी साम्राज्य का संक्षिप्त इतिहास एवं प्रशासन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–2. **(क)** भक्ति आंदोलन एवं सूफी संम्प्रदाय

. **(ख)** मुगल साम्राज्य– बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहॉगीर, नूरजहॉ, शाहजहॉ, औरंगजेब **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3. **(क)** मुगलकाल का स्वर्णयुग, मुगलों का पतन।

सूरीवंश–शेरशाह सूरी, प्रशासन।

. **(ख)** मराठा साम्राज्य– शिवाजी, मराठा प्रशासन। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 श्रीवास्तव, आशिर्वादी लाल – मध्यकालीन इतिहास

2 वर्मा, हरिश्चन्द्र – मध्यकालीन इतिहास

3 मजूमदार, रमेश चन्द्र, राय चौधरी, हेमचन्द्र एवं दत्त, कालिकिंकर– भारत का वृहत् इतिहास भाग–2

4 शर्मा, एल0पी0 – मध्यकालीन इतिहास

5 नागौरी, जीतेश – दिल्ली सल्तनत

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र : प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास–प्रथम
(प्रारम्भ से 1200 ई0 तक)

HSM -302 **क्रेडिट–04**

इकाई– 1. हड़प्पा कालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, वैदिक युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, छठीं शताब्दी ई0 पू0 में समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. मौर्य युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, कुषाणयुगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, गुप्त युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, श्रेणी संगठन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–3. हर्षयुगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, राजपूत युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 ओमप्रकाश – प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

2 शर्मा, आर0एस0 – प्राचीन भारत का आर्थिक इतिहास

3 मजूमदार, रमेश चन्द्र, राय चौधरी, हेमचन्द्र एवं दत्त, कालिकिंकर – भारत का वृहत् इतिहास भाग–1

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय कला– प्रथम

HSM -303 **क्रेडिट–04**

इकाई : 1 – भारतीय कला की विशेषताएं, कला के प्रकार, कला का महत्व। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 – हड़प्पाकालीन मूर्तिकला, मृद्भाण्डकला, स्थापत्य कला एवं धातु कला। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 – मौर्यकालीन कला– वास्तुकला, मूर्तिकला, मौर्यकला की विशेषताएँ। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. अग्रवाल, वी0एस0 – भारतीय कला
2. उपाध्याय, भगवत भारण – भारतीय कला का इतिहास
3. श्रीवास्तव, ए0एल0 – भारतीय कला
4. पाण्डेय, जे0 एन0 – भारतीय कला एवं पुरातत्व
5. उपाध्याय, एम0के0 – भारतीय कला एवं स्थापत्य
6. राय, उदय नारायण – भारतीय कला।

एम0ए0 (तृतीय सेमेस्टर)
चतुर्थ प्रश्न पत्र : विश्व का इतिहास– प्रथम
HSM -304 क्रेडिट–04

इकाई : 1 – 1789 ई0 में यूरोप की स्थिति, फ्रान्स की क्रान्ति के कारण, नेपोलियन के काल का महत्व **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 – आद्यौगिक क्रान्ति के कारण व परिणाम, 1917 की रूसी क्रान्ति के कारण एवं परिणाम, अमेरिकी क्रान्ति के कारण एवं परिणाम। **(20 व्याख्यान)**

इकाई : 3 – प्रथम विश्व युद्ध, राष्ट्रसंघ, वार्साय सन्धि। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. वर्मा, एल0बी0 – यूरोप का इतिहास
2. वर्मा, दीनानाथ – यूरोप का इतिहास
3. सारथि पार्थ, जी0 – यूरोप का इतिहास

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र
लघुशोध प्रबन्ध (डिजर्टेशन)
HSM 305 (EL. 01)
अथवा
भारतीय संस्कृति
HSM -305 (EL.02) क्रेडिट–04

इकाई–1. संस्कृति का अर्थ एवं परिभाषा, सभ्यता और संस्कृति में अन्तर, भारतीय संस्कृति की विशेषताएं। **(15 व्याख्यान)**

इकाईः 2 वर्ण व्यवस्था की उत्पत्ति, जाति व्यवस्था की उत्पत्ति, प्राचीन भारत में स्त्रियों की स्थिति। **(15 व्याख्यान)**

इकाईः 3 आश्रम व्यवस्था, हिन्दू संस्कार, पुरुषार्थ, विवाह।
प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ– तक्षशिला, नालन्दा एवं विक्रमशिला। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें–

1. **बाशम, ए0एल0** – **अद्भुत भारत**
2. **दुबे, हरिनारायण** – **भारतीय संस्कृति**
3. **लूनिया, बी0एन0** – **भारतीय संस्कृति**
4. **मिश्र, जयशंकर** – **प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास**

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक भारत का इतिहास
(16वीं शताब्दी ई0 से स्वतंत्रता प्राप्ति तक)
HSM -401 क्रेडिट–04

इकाई–1. **(क)** अंग्रेजी सत्ता की स्थापना– भारत में यूरोपीय व्यापार का प्रवेश, बंगाल में ब्रिटिश शासन की स्थापना।

(ख) कम्पनी के गवर्नर जनरल– वारेन हेंस्टिंग, लार्ड कार्नवालिस, लार्ड वेलेजली, लार्ड विलियम बैंटिंक, लार्ड डलहौजी, लार्ड कर्जन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2. (क) महाराजा रणजीत सिंह– जीवन एवं उपलब्धियॉ 1857 ई0 के क्रान्ति के कारण एवं परिणाम।

(ख) भारत में स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास–
राष्ट्रवाद का जन्म, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म, असहयोग आन्दोलन, खिलाफत आंदोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–3. (क) स्वतंत्रता की प्राप्ति, उदारवादी एवं उग्रवादी आन्दोलन और भारत का विभाजन।

(ख) धार्मिक और सामाजिक सुधार आन्दोलन–ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, आर्य समाज, थियोसोफिकल सभा, मुस्लिम सुधार आन्दोलन। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 ग्रोवर, बी0एल0 – आधुनिक भारत का इतिहास
2 शुक्ल, आर0एल0 – आधुनिक भारत का इतिहास
3 विपिन चन्द्र – भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
4 जैन, के0सी0 – आधुनिक भारत
5 मजूमदार, रमेश चन्द्र, राय चौधरी, हेमचन्द्र एवं दत्त, कालिकिंकर – भारत का वृहत् इतिहास भाग–3

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : भारत का समाजिक–आर्थिक इतिहास– द्वितीय
(13वीं शताब्दी ई0 से 20वीं शताब्दी ई0तक)
HSM -402 क्रेडिट–04

इकाई– 1. सल्तनत युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, विजय नगर युगीन समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(15 व्याख्यान)**

इकाई– 2. मुगलकालीन समाज एवं अर्थव्यवस्था, कम्पनी शासन के अधीन समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(20 व्याख्यान)**

इकाई–3. 20 वीं शती में समाज एवं अर्थव्यवस्था। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 अहमद, लईक – मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
2 श्रीवास्तव, ए0एल0 – मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
3 वर्मा, हरिश्चन्द्र – मध्यकालीन भारत भाग 1 एवं 2
4 शुक्ला, आर0एल0 – आधुनिक भारत का इतिहास
5 मजूमदार, रमेश चन्द्र, राय चौधरी, हेमचन्दत्र– एवं दत्त, कालिकिंकर वृहत् भारत का इतिहास भाग–2, 3
6 राशिद, ए0 – सोसाइटी एण्ड कल्चर इन मिडिवल इंडिया
7 हवीव, इरफान – मध्यकालीन भारत

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय कला– द्वितीय
HSM -403 क्रेडिट–04

इकाई : 1 – शुंग– सातवाहन कला– स्तूप– भरहुत, बोधगया, सांची। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 2 – कुषाण कला– मथुरा कला शैली , गांधार कला शैली। **(15 व्याख्यान)**

इकाई : 3 – **गुप्त कला** –सारनाथ कला शैली, स्थापत्य, मूर्ति, मंदिर, अजन्ता की चित्रकला।**अन्य प्रमुख मंदिर**– कन्दरिया महादेव का मंदिर, कश्मीर का मार्तण्ड मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, तंजौर का राजराजेश्वर मंदिर, बैकुण्ठपेरूमाल का मंदिर। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1. अग्रवाल, वासुदेव शरण – भारतीय कला
2. उपाध्याय, भगवतशरण – भारतीय कला का इतिहास
3. श्रीवास्तव, ए0एल0 – भारतीय कला
4. पाण्डेय, जे0एन0 – भारतीय कला एवं पुरातत्व
5. उपाध्याय, एम0के0 – भारतीय कला एवं स्थापत्य

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र : विश्व का इतिहास– द्वितीय
HSM -404 (EL. 01) क्रेडिट–04

इकाई : 1– इटली में फॉसीवाद, जर्मनी में नाजीवाद, जर्मनी का एकीकरण। **(10 व्याख्यान)**

इकाई : 2– 1857 का स्वतंत्रता संग्राम– कारण एवं परिणाम, 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन। **(20 व्याख्यान)**

इकाई : 3– स्वतंत्रता प्राप्ति एवं भारत विभाजन के कारण। **(15 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

अनुशंसित पुस्तकें

1 वर्मा, लाल बहादुर – यूरोप का इतिहास
2 वर्मा, दीनानाथ – यूरोप का इतिहास
3 सारथि पार्थ, जी0 – यूरोप का इतिहास

अथवा

प्राचीन प्रतिमा निर्माण कला
HSM -404 (EL. 02) क्रेडिट–04

इकाई :1–शैव, वैष्णव, शाक्त। **(20 व्याख्यान)**

इकाई :2– बौद्ध, जैन। **(15 व्याख्यान)**

इकाई :3–लौकिक। **(10 व्याख्यान)**

कुल– 45 व्याख्यान

नोट– प्रस्तुत प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्राचीन मूर्तियों के निर्माण कला की कौशल क्षमता को विकसित करना है।

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र मौखिकी –
HSM -405 क्रेडिट–04